

6 अमृत विचार की 6 वीं वर्षगांठ

की हार्दिक
शुभकामनाएँ



अमृत विचार की

6 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

साकेन्द्र प्रताप वर्मा

भाजपा विधायक, कुर्सी विधानसभा

रितेश जैन

समाजसेवी

रिषभ ट्रेडिंग कंपनी
ज्ञानमती गारमेंट्स
ज्ञानमती ज्वेलर्स

फतेहपुर, बाराबंकी

आशीष सिंह
निवासी- नगर पंचायत बेलहरा



अमृत विचार की
वर्षगांठ के शुभ अवसर पर 6 वीं
आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

पंकज गुप्ता पंकी

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
भाजपा पिछड़ा मोर्चा-उत्तर प्रदेश
प्रदेश उपाध्यक्ष, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन
उत्तर प्रदेश (09415049009)



अमृत विचार समाचार पत्र की

6वीं वर्षगांठ

"स्थापना दिवस विशेषांक"

द्वारा शुभकामनाएँ

सुदेन्द्र सिंह वर्मा

पूर्व ब्लाक प्रमुख/पूर्व लाइन जिला पंचायत

अध्यक्ष- नगर पालिका परिषद नवायनज, बाराबंकी

श्रीला सिंह वर्मा

अध्यक्ष- नगर पालिका परिषद नवायनज, बाराबंकी



अमृत विचार

6 वीं वर्षगांठ

की हार्दिक शुभकामनाएँ



मोइनुद्दीन मोहसिन
जिलाध्यक्ष, काशीस



राजेन्द्र वर्मा
नगर अध्यक्ष, काशीस



डॉ. पी.एल. पुनिया
पूर्व सांसद, बाराबंकी

तनुज पुनिया
सांसद, बाराबंकी

न्यूज ब्रीफ

हाथ में फटा सुतली बम
किशोर गंभीर

निवेदींगंगा, बाराबंकी, अमृत विचार : दगाते समय किशोर के हाथ में सुतली बम फट गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शुक्रवार की सुहृदी की रीवा 10 बजे लोनीकट्टरा क्षेत्र अंगूष्ठ त्रिलोकपुर निवासी गुड़ दिवारी का पुत्र कमल (14) वर्ष के आगमन में सुतली बम में आग लगा रहा था, लेकिन वह नहीं दगा। जिस पर कमल बम को लेकर घर से बाहर आ ही रहा तभी बम तेज आगुने उभर रुप से जर्जी कमल को लेकर सीधरीसी पहुंचे पर काटकर ने उसे रेफर कर दिया।

परिजनों को मिली भटकी बच्ची

सुरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना मोहम्मदपुर खाला व पीपीआरी के प्रयास से रासा बक्कर कर आयी बच्ची को परिजनों का पापा लगाए गए। गुरुवार को लालपुर कौरीता में 3 वर्षीय बच्ची के रासा भटकर आगे की सूचना धूपी 112 के माध्यम से पीपीआरी 7179 का प्राप्त हुई। पीपीआरी कमिंगों द्वारा बच्ची को संरक्षण में लेकर सम्भाल व्यक्तियों के माध्यम से परिजनों का पापा लगाकर बच्ची को परिजनों के सुपुर्दि किया गया।

जागरूकता रैली निकाली

सुरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : 1 दिसंबर से शुरू हो ही बिजली बिल राहत योजना पहले बार, जयादा लाभ प्राप्त करने के संदेश को लेकर सुरतगंज में जागरूकता रैली आयोजित की गई। नेतृत्व अवर अभियान शैलेंद्र यादव ने किया। योजना के तहत पुराने बिलों पर मुश्किल में चरणवट्ट हुए और शत-प्रतिशत याज्ञ मार्की जी जाएगी।

एसपी ने पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस को गुरुवार देर रात कृष्णपुर गंगा वारी सुनी निषाद के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस बल के साथ कोतवाली ने घटी छानीयों की लेकिन युवक का पता नहीं दिया। पुलिस ने फुरेंगे भाई संवेश की तहरीर पर नैवृत्यपुरा निवासी जयदीव निषाद पर अदात किए जाने का मुकदमा दर्ज किया गया।

युवक का अपहरण

सुरतगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : मोहम्मदपुर खाला थाना पुलिस को गुरुवार देर रात कृष्णपुर गंगा वारी सुनी निषाद के लापता होने की सूचना मिली। पुलिस बल के साथ कोतवाली ने घटी छानीयों की लेकिन युवक का पता नहीं दिया। पुलिस ने फुरेंगे भाई संवेश की तहरीर पर नैवृत्यपुरा निवासी जयदीव निषाद पर अदात किए जाने का मुकदमा दर्ज किया गया।

एसपी ने पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस

अधीक्षक ने शुक्रवार को सापांडिक

परेड की सलामी लेने के पश्चात परेड

पर पुलिस लाइन का निरीक्षण किया।

एसपी अपनी विचायकी द्वारा रिंजी

पुलिस लाइन्स रिस्ट्रिक्ट परेड ग्राउंड में

शुक्रवार की परेड की सलामी ली गई,

तत्पश्चात पुलिसकर्मियों की दौड़ कराई

गयी व पुलिसकर्मियों का टर्न आउट थें

किया गया।

हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार, पूरे

ने

घालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊँची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सब्जाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर ऐनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन के लिए पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान है, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य रुद्धि मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीवोद्धार करवाया। अथित गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ी के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झारने मनमोहक हैं।

यहां गिरी थी देवी सती की बाई जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाई जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाञ्चा के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।



यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासगौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।



इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुलाटी तक दैन या वैद्यर्जन तक पहुंच सकते हैं। फिर ट्रेन से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। यहां तो शिलांग हड्डर कर वहां के देवांजी भी जा सकते हैं। और फिर वहां से वेरांजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक आते हैं।



सारामोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाव रखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्मातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उभ बयुशिल कौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रनुसार था। यहां उम्रनुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरो शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट वैपरी की तरह नहीं था, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किलाब लिखने वाले कुछ एक बढ़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी' पर यहां दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खबर पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉपर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध विल्डिंग को सरकारी ओदेश पर बुलडोजर लगाकर

ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैरेग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाने तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटवैन के बाहर से लेकर कुपर तक आपको ऐसे देखो कि जैसे हवा आपका एक्सप्रेस निकाल रहा हो। तब ऐसे जाने से ही उस समय में आप क्या करें?

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच से एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था,

जबकि इस शूट को खीरदेने और

लव बड़सा

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिष्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉर्मन दोस्त थे पत्र पहुंचाते थे। यासे में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर की। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उत्तर-चबूत्र भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ब्रह्मि ने मुझे प्रपोज किया।

घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बात पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के साहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सामाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधार में हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी, अयोध्या



